Hindi Murli Quiz 11-10-2013

आप यहाँ से सिर्फ 20 मिनट की 3mb की ऑडियो mp3 मुरली डाउनलोड करके अच्छी तरह सुनके/पढके फिर ही क्विज करें. इससे १००/१०० आना आसान हो जायेगा :-)

धन्यवाद

ओम शांति

Q.1) **आज की मुरली के अनुसार, इस पुरानी दुनिया [नर्क] और नई दुनिया [स्वर्ग अथवा सतयुग] की तुलना करते हुए, इनको मिलाइये ----**

	Choice		Match
A	यह है ही विशश, पतित दुनिया	1	सतयुग में थे सदा सौभाग्यशाली I
B	हम बापके बनते हैं तो हम स्वर्ग के मालिक बनते हैं I	2	सतयुग में गर्भ को जेल नहीं, गर्भ महल कहते हैं I
C	इस समय सभी मनुष्यमात्र हैं सदा दुर्भाग्यशाली,	3	फिर बापको भूलने से नर्क के मालिक बन जाते हैं	
D	यहाँ घड़ी-घड़ी गर्भ जेल में जाकर सजायें खाते हैं		4	सतयुग है वाइसलेस दुनिया	
E	सतयुग में केवल एक लौकिक बाप याद रहता है I	5	यहाँ दो बाप को याद करते --लौकिक और पारलोकिक बाप I
F	सतयुग में कायदे अनुसार एक ही बच्चा होता है	कभी अकाले मृत्यु नही होती है		6	यहाँ तो कमरतोड़ महंगाई रहती है I
G	सतयुग में तो अनाज आदि बहुत सस्ता अच्छा होता है I	7	यहाँ अकाले ही मृत्यु होती और बच्चे होने पर कोई सीमा नहीं है I

Q.2) **क्विज को सुधारने के लिये अपने सुझाव अवश्य दीजिये I**

Q.3) **"निश्चय करो कि हम आत्मा हैं, यह हमारा शरीर है, इसमें _____करने की कोई आवश्यकता नहीं I अगर आत्मा का _____हो भी जाये तो भी समझ नहीं सकेंगे I" (मुरली के अनुसार नीचे दिए गए उत्तरों में केवल एक सही है, उसे टिक करके इस वाक्य को पूरा कीजिये)**

- A. साक्षात्कार
- B. उपासना
- C. मिलन

Q.4) **क्वेश्चन मार्क का टेढ़ा रास्ता लेने के बजाए कल्याण की बिन्दी लगाना ही _____ बनना है | (आज के स्लोगन के अनुसार इनमे से एक उत्तर सही है ,उसे टिक करके वाक्य को पूरा करें)**

- A. रहमदिल
- B. व्यर्थमुक्त
- C. कल्याणकारी
- D. डबल लाइट

Q.5) **इस समय तुम भारत की कितनी सेवा करते हो | तुम्हारे ही नाम गाये हुए हैं – अन्नपूर्णा, दुर्गा, काली आदि-आदि | बाकी काली कोई ऐसी भयानक शक्ल वाली वा गणेश सूंढ़ वाला थोड़ेही होता है | मनुष्य तो मनुष्य ही होते हैं |**

- A. True
- B. False

Q.6) **बाप की किस श्रीमत पर चलने से गर्भजेल की सजाओं से छूट सकते हैं? (एक से ज्यादा उत्तर हो सकते हैं I फुल मार्क्स लेने के लिए सभी सही उत्तरों को टिक करें)**

- A. नष्टोमोहा बनो I
- B. कोई भी पाप कर्म न करो I
- C. एक बाप दूसरा न कोई, तुम सिर्फ मुझे याद करो I

Q.7) **तुम हो _____ | राजाई प्राप्त करने वा भारत का फिर से राज्य-भाग्य पाने के लिए तुम पुरुषार्थ कर रहे हो | तुम भारत में स्वर्ग की राजाई स्थापन करते हो, अपने तन-मन-धन से सेवा करके | (मुरली के अनुसार यहाँ एक ही सही उत्तर है ,उसको टिक करके इस वाक्य को पूरा करो)**

- A. राजऋषि

B. तीव्र पुरुषार्थी
C. सेवाधारी
D. धर्म स्थापक

Q.8) **साथ रहने, साथ जीने और साथ चलने के वायदे को स्मृति में रख बाप और आप कम्बाइन्ड रूप में रहो तो इस स्वरूप को ही _____कहा जाता है I (आज के वरदान के अनुसार सही उत्तर पर टिक करके वाक्य पूरा करिए)**

A. ज्ञानी
B. सहजयोगी
C. वैरागी
D. तपस्वी

Q.9) **एक सही उत्तर है ,उसपर टिक करके वाक्य पूरा करिए I "बाप कहते हैं मैं निराकार भी इस शरीर का आधार लेता हूँ। मनुष्यों ने मेरे बहुत नाम रखे हैं, परन्तु मेरा एक ही नाम _____ है।"**

A. शिव
B. भोलेनाथ
C. सोमनाथ
D. रुद्र

Q.10) **इन्हें मिलाएं ----**

	Choice		Match
A	पतित हमेशा बेसमझ होते हैं।	1	तो जरुर यहाँ ही राज्य किया होगा।
B	तुमको दो बाप हैं – एक है विनाशी शरीरी को जन्म देने वाला विनाशी बाप,	2	अभी तो तुमने ठिक्कर-भित्तर में डाल दिया है। अभी इस भक्ति का अन्त है।
C	मनुष्य समझते हैं स्वर्ग ऊपर होगा, परन्तु लक्ष्मी-नारायण का यादगार तो यहाँ है I	3	इस ज्ञान यज्ञ की समाप्ति तब होगी, जब सारी सृष्टि इसमें स्वाहा होती।
D	भक्ति मार्ग में पहले अव्यभिचारी भक्ति थी।	4	दूसरा है अविनाशी आत्माओं का अविनाशी बाप।
E	भक्ति में यज्ञ जब समाप्त होता है तो उसमे सब कुछ स्वाहा करते हैं।	5	जैसे गर्भजेल में वायदा करते , बाहर निकलते हैं तो फिर पाप करने लग पड़ते हैं।
F	यहाँ आते हैं तो ज्ञान अच्छी रीति समझते हैं फिर घर जाते हैं तो सब ख़लास हो जाता I	6	पावन दुनिया समझदार होती है।

Q.11) **इन्हें मिलाइये----**

	Choice		Match
A	अभी भगवान यह सूर्यवंशी, चन्द्रवंशी राजधानी स्थापन कर रहे हैं I	1	तुम्हारे दुःख हरने के लिए पुरानी दुनिया का विनाश कराते हैं।
B	ड्रामा में हर एक्टर का अपना-अपना पार्ट है।	2	जगदम्बा को भी भूल गये हैं। जिसका मन्दिर बना हुआ है – अभी वह चैतन्य में बैठे हैं।
C	बाप जो स्वर्ग का रचयिता है, उनको कोई भी नही जानते।	3	इसमें हम क्यों रोयें पीटें? हम जीते जी उस एक बाप को याद करते हैं।
D	अब इन माताओं द्वारा स्वर्ग के द्वार खुल रहे हैं।	4	वन्दे मातरम् गाते हैं ना। पावन की ही वन्दना की जाती है।
E	बाप है लिबेरटर, दुःख हर्ता, सुख कर्ता।	5	अभी तुम पुरुषार्थ कर अनेक जन्मों की प्रालब्ध बना रहे हो बेहद के बाप द्वारा।
F	यह है रूद्र शिव का ज्ञान यज्ञ, जिससे यह विनाश ज्वाला निकली है।	6	वह सब विनाश हो जायेंगे और तुम सदा सुखी बन जायेंगे।